

ज्योत से ज्योत जगाते चलो
ज्योत से ज्योत जगाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
राह में आए जो दीन दुखी
राह में आए जो दीन दुखी
सबको गले से लगाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो

जिसका न कोई संगी साथी ईश्वर है रखवाला
जो निर्धन है जो निर्बल है वह है प्रभू का प्यारा
प्यार के मोती प्यार के मोती लुटाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो

आशा टूटी ममता रूठी छूट गया है किनारा
बंद करो मत द्वार दया का दे दो कुछ तो सहारा
दीप दया का दीप दया का जलाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो

छाई है छाओं और अंधेरा भटक गई हैं दिशाएं
मानव बन बैठा है दानव किसको व्यथा सुनाएं
धरती को धरती को स्वर्ग बनाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो

ज्योत से ज्योत जगाते चलो
ज्योत से ज्योत जगाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
ज्योत से ज्योत जगाते चलो
ज्योत से ज्योत जगाते चलो
प्रेम की गंगा प्रेम की गंगा बहाते चलो
धरती को स्वर्ग बनाते चलो
प्रेम की गंगा प्रेम की गंगा
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो
प्रेम की गंगा बहाते चलो